

BAJA SAEINDIA PHASE 2- VIRTUAL ROUND



Students and organisers of BAJA SAEINDIA virtual event with a 'buggy' prototype in Chandigarh on Friday. TRIBUNE PHOTO: PRADEEP TEWARI

BAJA SAEINDIA virtual event starts at Chitkara University

TRIBUNE NEWS SERVICE

CHANDIGARH, NOVEMBER 29
 Hundreds of mechatronics engineering students from across the nation are participating in the second phase of the BAJA SAEINDIA virtual event which started today. It is being organised by Chitkara University to present static events such as sales, cost and design evaluation, along with sustainability event and an engine simulation.

As many as 20 teams will participate in the second phase, which has two division first incorporate virtual dynamic events with the help of simulation-based model. It helps a team replicate a real vehicle in a virtual environment and know how it will perform on ground. The teams will also undertake a

comprehensive process of conceptualising, designing, modelling, analysing, manufacturing, validating and competing with a single-seater ATV (all-terrain vehicle) in a four-hour endurance test.

"It takes one year to complete a project. A 'buggy' costs around Rs 7 to 10 lakh, and is majorly sponsored by universities. A team consists of 25-30 students, depending upon the specifications of a vehicle," said Naman, a student of the host university. He further added that, "During this phase, there will be virtual testing before transporting the vehicle to the competition venue in January 2025. Basically, the chassis and weight of the vehicle is an important dynamic to concentrate upon. Thereafter, we move to suspension and roll

cage to streamline things in the software.

At virtual testing the design is finalised and tested. The brakes of the vehicles are worked upon, considering how much the vehicle is weighing. This vehicle can be used by off-roading lovers. Army personnel at remote postings, youngsters who love adventure and many others. Coming to the technical part, the prototype then gets tested using a software through a 3D project and later at the IPG Car Maker for the final approval.

Meanwhile, Balraj Subramaniam, chairman, organising committee, BAJA SAEINDIA, along with Dr Madhu Chitkara, Pro-Chancellor at Chitkara University, addressed the students on the occasion.

Chandigarh Tribune Sat, 30 November 2024
<https://www.triibuneindia.com/>

Shaping the Future of Mobility: BAJA SAEINDIA 2025 Virtual Round for Vehicle Design Commences at Chitkara University, Chandigarh



Chandigarh: BAJA SAEINDIA, the flagship event of SAEINDIA, stands as a pinnacle in collegiate engineering design competitions. Encompassing the ingenuity of aspiring engineers, participating teams undertake the comprehensive process of conceptualizing, designing, modelling, analyzing, manufacturing, validating and competing with a single-seater ATV (All-Terrain Vehicle) in a four hour Endurance. Each year, BAJA SAEINDIA engages with a substantial cohort of 5,000 to 10,000 engineering students. In this 18th season of BAJA SAEINDIA 2025 with 200 participating teams, the event will be organized in 3 phases, each phase more challenging than the previous one. The Virtual Round, hosted by Chitkara University, features static events such as sales, cost and design evaluation, along with the sustainability event and an engine simulation event. It also includes virtual dynamic events using IPG Carmaker, providing a comprehensive framework for evaluating the teams.

दैनिक सवेरा
 2025 से उत्तम की ओर...
 टाइम्स

बाहा एसएई इंडिया के वर्चुअल राउंड की चितकारा यूनिवर्सिटी में भव्य शुरुआत

- बाहा एसएई इंडिया से मिलेगा छात्रों को इंडस्ट्रीज के साथ जुड़ने का मौका : मधु चितकारा
- प्रतियोगिता के 18वें सीजन में 200 प्रतिभागी टीमों भाग ले रही

सवेरा न्यूज़/ राकेश
 चंडीगढ़, 29 नवंबर : सिंगल सीटर एटीवी (ऑल-टेर्रेन व्हीकल) की संकल्पना, डिजाइन, मॉडलिंग, विश्लेषण, निर्माण और उसके सत्यापन के लिए इंजीनियरिंग डिजाइन कॉम्पिटिशन बाहा एसएई इंडिया, 2025 के वर्चुअल राउंड की चितकारा यूनिवर्सिटी में शुरूआत आज 29 नवंबर से हुई। बाहा एसएई इंडिया कार्यक्रम ऑटोमोटिव इंजीनियर्स की पेशेवर सोसायटी एसएई इंडिया का प्रमुख फ्लैगशिप आयोजन है और हर वर्ष इसमें 5,000 से 10,000 इंजीनियरिंग छात्र सम्मिलित होते हैं। इस वर्ष 18वें सीजन में 200 प्रतिभागी इंजीनियरिंग डिजाइन कंपीटिशन बाहा एसएई इंडिया, 2025 के वर्चुअल राउंड की शुरुआत करती चितकारा विवि वांस्तर मधु चितकारा एवं अन्य अधिकारी। (जगमोहन) टीमों भाग ले रही है। प्रतियोगिता का आयोजन तीन चरणों में किया जाएगा जिसमें प्रत्येक चरण पिछले चरण से अधिक चुनौतीपूर्ण होगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए चितकारा यूनिवर्सिटी के उप कुलपति डा. संधीर शर्मा ने यूनिवर्सिटी की अगली पीढ़ी के इंजीनियरों को तैयार करने के मिशन के बारे में जानकारी दी। बाहा एसएई इंडिया की आयोजन समिति के अध्यक्ष, बलराज सुब्रमण्यम ने अगली पीढ़ी के मोबिलिटी इंजीनियरों को आकार देने में बाहा एसएई इंडिया द्वारा

सोभाव्य मिला है। वह शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटने में हमारी आपसी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। बाहा एसएई इंडिया के साथ मिलकर हम भारत के ऑटोमोटिव परिदृश्य के भविष्य को आकार देने के लिए रचनात्मकता, सस्टेनेबिलिटी और एक्सलेंस के साथ आगे की सोच वाली इंजीनियरिंग को आगे बढ़ा रहे हैं, यह यात्रा इसमें शामिल सभी लोगों की कड़ी मेहनत, दूरदर्शिता और समर्पण का प्रमाण है।

बाहा एसएई इंडिया 2025 का तीसरा चरण प्रतियोगिता को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार है, जिसमें तीन अलग-अलग स्तरों पर कार्यक्रम निर्धारित किए गए हैं। शुरुआत की शुरुआत करते हुए, एम् बाहा और एच् बाहा 9 से 12 जनवरी 2025 तक नॉटैक्स पीथम्पूर, इंदौर में प्रतियोगी अपनी क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। इसके बाद 20 से 23 फरवरी 2025 तक, स्पोर्ट्सटाइट हैदराबाद के बी वि राजू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी पर स्थानांतरित हो जाएगी, जिकि ई-बाहा केंद्र में होगा।

निर्भाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा करते हुए कहा कि बाहा एसएई इंडिया शुरुआत से ही इनोवेशन और लॉनिंग के प्रकाश स्तंभ का प्रतीक रहा है।

इस मौके पर चितकारा यूनिवर्सिटी की प्रो-चांसलर डॉ. मधु चितकारा ने कहा कि चितकारा यूनिवर्सिटी और बाहा एसएई इंडिया ने 2015 से एक गहन और फलदायी साझेदारी की, जिसमें हमें पहले फिजिकल राउंड की मेजबानी और पिछले कुछ वर्षों में वर्चुअल राउंड की मेजबानी करने का

Sat, 30 November 2024
 epaper.dainiksaveratimes.in/c/76328021

BAJA SAEINDIA 2025 virtual round begins at Chitkara Rajpura

MOHALI: The virtual round of BAJA SAEINDIA, the flagship event of SAEINDIA, hosted by Chitkara University, Rajpura, commenced on Friday. During a press conference, Chitkara University V-C Dr Sandhir Sharma gave the welcome address. In this 18th season of BAJA SAEINDIA 2025 with 200 participating teams, the event will be organised in three phases. Balraj Subramaniam said, "BAJA SAEINDIA has been a beacon of innovation and learning since its inception." Chitkara University pro-chancellor Dr Madhu Chitkara said, "Chitkara University and BAJA SAEINDIA have shared a profound and fruitful partnership since 2015. Bharat Petroleum general manager Charu Yadav spoke about the partnership with BAJA SAEINDIA since 2007. **HTC**



चिਤकारा यूनिवर्सिटी के एंजल गुरुजी डा. संधीर शर्मा और डी.ए.ई.डी.ए. 2025 प्रतियोगिता वाले पंखकारों को नमस्कार करते हैं। **उत्सव : कलकत्ता**

चिਤकारा यूनिवर्सिटी विधे ऐस.ए.डी.ई.डी.ए. 2025 प्रतियोगिता की शुरुआत

कलकत्ता, 29 नवंबर (अज्ञीत खिचुर) - चितकारा यूनिवर्सिटी विधे अंजल गुरुजी डा. संधीर शर्मा और डी.ए.डी.ए. 2025 प्रतियोगिता की शुरुआत हुई। इस प्रतियोगिता 200 प्रतियोगिता टीमें भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता के दिन पञ्जाब रोड और हरद्वार पञ्जाब पब्लिक स्कूल वॉच टावर की बरिआ में होगी। प्रोग्राम की शुरुआत में पंखकारों को नमस्कार करते हैं चितकारा यूनिवर्सिटी के एंजल गुरुजी डा. संधीर शर्मा ने यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों को नमस्कार करते हैं।

ऐस.ए.डी.ई.डी.ए. की प्रतियोगिता में शामिल होने वाले प्रतियोगिता टीमें 18 सालों के लिए एक गतिशील मंच के रूप में विकसित होना है, जो विद्यार्थियों को नैतिक और गतिशीलता के साथ-साथ प्रतियोगिता के माध्यम से वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए तैयार करने के लिए एक व्यापक ढांचा प्रदान करते हैं। एक स्मार्ट, सुरक्षित और अधिक सस्टेनेबल भविष्य को

30-Nov-2024
Page: 6
<http://epaper.ajitjalandhar.com/edition/20241130/9/6.cms>

बागा ऐस.ए.डी.ई.डी.ए. 2025 का वरचुअल दौर चितकारा यूनिवर्सिटी विधे शुरु होइआ



कलकत्ता, 29 नवंबर (राज कुमार वर्मा) - सेंट्रल - सी टार आल-टैरेन वाहन (ए.टी.वी.) नूँ डिजाइन करन अउं प्वाण्डिउ

करन लड़ी ईक ईंजनीअरिंग मुकाबला बागा ऐस.ए.डी.ई.डी.ए. 2025 का वरचुअल दौर अंज चितकारा यूनिवर्सिटी विधे शुरु होइआ। आपन 18वें सीजन की निशानदेही करते हैं, इस एडिशन में 200 टीमें नूँ आकर्षित कीता है। ऐस.ए.डी.ई.डी.ए. आगा आर्जेसिउत मुकाबला, पञ्जाब राणू नवीनता नूँ उतसाहित करदा है जे विकरी, लागत, डिजाइन, सधिरता, अउं ईंजिन सिमूलेसन की जांच करदे गन। इस साल का एडिशन ऐडवांस गतिशीलता रॉल 'उं जेठ दिंदा है, जिसे विं अंज-बागा वरगीआं सुट्टीआं, हाथीडरिंजन-अपारिउत गतिशीलता 'उं प्वाणन केंदरिउ करदे होइ, अउं ऐ- बागा, एडवांस तकनालॉजी नाल लैस डरावीवर रहित ऐटीवी हटा प्दरसन करदे होइ। लांच नूँ संघेठन करदिआं चिउतकारा यूनिवर्सिटी के वाटीस चारसलर डा. संधीर शर्मा नूँ बरिधे के ईंजनीअरों नूँ सिधलाइते देउ लड़ी संसधा की वचनबधता नूँ उजागर कीता। बागा-ऐस.ए.डी.ई.डी.ए. के अंजल गुरुजी डा. संधीर शर्मा नूँ नवीनता अउं उदयेंग लड़ी त्वाअर गुनर नूँ अंग वपाउए लड़ी ईक पलटवारम दसिआ। डा. मधु चिउतकारा, चिउतकारा यूनिवर्सिटी के प्र-चारसलर, नूँ अकादमिकता अउं उदयेंग नूँ इंजिन 'उं सधिरता के प्वाणन नूँ रेखांकित कीता, जसे कि बी पी सी ऑल के जनरल मैनेजर, चारु जाएद नूँ इस पब्लिकरमी लड़ी आपन लंघे सभे 'उं समरथन की पुसटी कीती। -बरिधे लड़ी डिउसिन- अं चीम के नाल, बागा ऐस.ए.डी.ई.डी.ए. 2025 ईक चुसत आटोमेटिड लैंडसकेप लड़ी रचनतामकता अउं सधिरता नूँ मिलाउे होइ, ईंजनीअरों की अगली पीढ़ी नूँ प्ररिउत करना जागी रंघेदा है।

बाहा एसएई इंडिया 2025 के वर्चुअल राउंड की चितकारा यूनिवर्सिटी में मध्य शुरुआत

कलकत्ता (अनमोल खबर)। सेंट्रल सीटार एटीवी (ऑल-टैरेन व्हीकल) की संकल्पना, डिजाइन, मॉडलिंग, विश्लेषण, निर्माण और उसके सत्यापन के लिए इंजीनियरिंग डिजाइन कॉम्पटीशन बाहा एसएई इंडिया, 2025 के वर्चुअल राउंड की चितकारा यूनिवर्सिटी में 29 नवंबर से शुरुआत हो गई। बाहा एसएई इंडिया कार्यक्रम ऑटोमेटिड इंजीनियर्स की पेशेवर सोसायटी एसएई इंडिया का प्रमुख प्लेगशिप आयोजन है।

इस वर्ष 18वें सीजन में 200 प्रतिभागी टीमें भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता का आयोजन तीन चरणों में किया जाएगा जिसमें प्रत्येक चरण पिछले चरण से अधिक चुनौतीपूर्ण होगा। वर्चुअल राउंड, का आयोजन चितकारा यूनिवर्सिटी में किया जा रहा है जिसमें डिजाइन, लागत और डिजाइन मूल्यांकन के साथ सस्टेनिबिलिटी इवेंट और इंजन सिमुलेशन इवेंट शामिल हैं। इसमें आईपीजी कार मेकर का उपयोग करते हुए वर्चुअल डायनेमिक इवेंट भी शामिल हैं, जो टीमें के मूल्यांकन के लिए एक व्यापक ढांचा प्रदान करते हैं। एक स्मार्ट, सुरक्षित और अधिक सस्टेनेबल भविष्य को



बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के साथ, बाहा एसएई इंडिया छात्रों को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के माध्यम से वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक कौशल और विशेषज्ञता से लैस करता है। बाहा एसएई इंडिया के पिछले सीजन 2024 में मोबिलिटी के भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने के लिए एच-बाह और ऐ-बाहा ने नाम से दो नई कटेगोरीज को इस इवेंटस में शामिल किया गया था। एच-बाहा कटेगोरी में इस बार 20

टीमें पंजीकृत हुई हैं जो हाइड्रोजन-आधारित गतिशीलता के लिए बढ़ते उत्साह को दर्शाता है जहां पर ऑल-टैरेन व्हीकल एचसीएनजी पर चलेंगी। इसी तरह, ऐ-बाहा जिसमें बिना ड्राइवर के ऑल-टैरेन व्हीकल चलती हैं इसने पिछले साल पांच टीमें के साथ शुरुआत की थी इस बार 20 टीमें इस कटेगोरी में शामिल हुई हैं जो एडीएएस वाले वाहनों के बढ़ते महत्व को दर्शाता है। यह उपलब्धि शिक्षा और इंटरटीज के बीच की खाई को पाटने के लिए

बाहा एसएई इंडिया की भूमिका को एक गतिशील मंच के रूप में उजागर करती है। बाहा एसएई इंडिया 2025 के वर्चुअल राउंड की शुरुआत के मौके पर चितकारा यूनिवर्सिटी के उप कुलपति डॉ. संधीर शर्मा ने यूनिवर्सिटी की अगली पीढ़ी के इंजीनियरों को तैयार करने के मिशन के बारे में जानकारी दी। बाहा एसएई इंडिया की आयोजन समिति के अध्यक्ष, बलराज सुब्रमण्यम ने अगली पीढ़ी के मोबिलिटी इंजीनियरों को आकार देने में बाहा एसएई इंडिया द्वारा निभाई जा रही

महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा करते हुए कहा कि बाहा एसएई इंडिया शुरुआत से ही इन्वोल्वेशन और लर्निंग के प्रकाश स्तंभ का प्रतीक रहा है। असाधारण भागीदारी के कारण यह आयोजन साल दर साल आगे बढ़ता जा रहा है। इस मौके पर चितकारा यूनिवर्सिटी की प्रो-चारसलर डॉ. मधु चितकारा, ने कहा कि चितकारा यूनिवर्सिटी और बाहा एसएई इंडिया ने 2015 से एक गहन और फलदायी साझेदारी की जिसमें हमें पहले फिजिकल राउंड की मेजबानी और पिछले कुछ वर्षों में वर्चुअल राउंड की मेजबानी करने का सौभाग्य मिला है। यह शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटने में हमारी आपसी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। बाहा एसएई इंडिया के साथ मिलकर हम भारत के ऑटोमेटिड परिरक्षण के भविष्य को आकार देने के लिए रचनात्मकता, सस्टेनेबिलिटी और एक्सिलेंस के साथ आगे की सोच वाली इंजीनियरिंग को आगे बढ़ रहे हैं, यह यात्रा इसमें शामिल सभी लोगों की कड़ी मेहनत, दूरदर्शिता और समर्पण का प्रमाण है।

बाहा एसएई इंडिया 2025 के वर्चुअल राउंड की चितकारा यूनिवर्सिटी में भव्य शुरुआत



● 200 टीमों ले रही हिस्सा

चंडीगढ़ (सच कहें न्यूज)। सिंगल सीटर एटीवी (ऑल-टरेन व्हीकल) की संकल्पना, डिजाइन, मॉडलिंग, विश्लेषण, निर्माण और उसके सत्यापन के लिए इंजीनियरिंग डिजाइन कॉम्पटीशन बाहा एसएई इंडिया, 2025 के वर्चुअल राउंड की चितकारा यूनिवर्सिटी में शुरूआत आज 29 नवम्बर से हुई। बाहा एसएई इंडिया कार्यक्रम ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग की पेशेवर सोसायटी एसएई इंडिया का प्रमुख फ्लैगशिप आयोजन है और हर वर्ष इसमें 5,000 से 10,000

इंजीनियरिंग छात्र सम्मिलित होते हैं। इस वर्ष 18वें सीजन में 200 प्रतिभागी टीमों भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता का आयोजन तीन चरणों में किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक चरण पिछले चरण से अधिक चुनौतीपूर्ण होगा। वर्चुअल राउंड, का आयोजन चितकारा यूनिवर्सिटी में किया जा रहा है जिसमें विक्री, लागत और डिजाइन मूल्यांकन के साथ सस्टेनैबिलिटी इवेंट और इन सिमुलेशन इवेंट शामिल है। इसमें आईपीजी कारमेकर का उपयोग करते हुए वर्चुअल डायनमिक इवेंट भी शामिल है, जो टीमों के मूल्यांकन के लिए एक

बाहा एसएई इंडिया 2025 के वर्चुअल राउंड की शुरुआत के मौके पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए चितकारा यूनिवर्सिटी के उप कुलपति डॉ. सचौर शर्मा ने यूनिवर्सिटी की अगली पीढ़ी के इंजीनियरों को तैयार करने के मिशन के बारे में जानकारी दी। वहीं बाहा एसएई इंडिया की आयोजन समिति के अध्यक्ष, बलराज सुब्रमण्यम ने अगली पीढ़ी के मोबिलिटी इंजीनियरों को आकार देने में बाहा एसएई इंडिया द्वारा निर्भर जा रही महत्वपूर्ण भूमिका पर गर्व की।

चितकारा यूनिवर्सिटी की प्रो-चांसलर डॉ. मधु चितकारा, ने कहा कि चितकारा यूनिवर्सिटी और बाहा एसएई इंडिया ने 2015 से एक गहन और फलदायी साझेदारी की जिसमें हमें पहले फिजिकल राउंड की मेजबानी और पिछले कुछ वर्षों में वर्चुअल राउंड की मेजबानी करने का सौभाग्य मिला है। यह शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को ढालने में हमारी आपसी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

व्यापक दांचा प्रदान करते हैं।

बाहा एस.ए.ई. इंडिया के वर्चुअल राउंड की यूनिवर्सिटी में हुई शुरुआत

■ 200 टीमों ले रही हैं हिस्सा

चंडीगढ़, 29 नवम्बर (आशीष): सिंगल सीटर ए.टी.वी. की संकल्पना, डिजाइन, मॉडलिंग, विश्लेषण, निर्माण और उसके सत्यापन के लिए इंजीनियरिंग डिजाइन कॉम्पटीशन बाहा एस.ए.ई. इंडिया, 2025 के वर्चुअल राउंड की चितकारा यूनिवर्सिटी में शुरूआत हुई। बाहा एस.ए.ई. इंडिया कार्यक्रम ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग की पेशेवर सोसायटी एस.ए.ई. इंडिया का प्रमुख फ्लैगशिप आयोजन है और हर वर्ष इसमें 5,000 से 10,000 इंजीनियरिंग छात्र सम्मिलित होते हैं। इस वर्ष 18वें सीजन में 200 प्रतिभागी टीमों भाग ले रही हैं।

चितकारा यूनिवर्सिटी के उप

कुलपति डॉ. संधोर शर्मा ने यूनिवर्सिटी की अगली पीढ़ी के इंजीनियरों को तैयार करने के मिशन के बारे में जानकारी दी। बाहा एस.ए.ई. इंडिया की आयोजन समिति के अध्यक्ष, बलराज सुब्रमण्यम ने अगली पीढ़ी के मोबिलिटी इंजीनियरों को आकार देने में बाहा एस.ए.ई. इंडिया द्वारा निर्भर जा रही महत्वपूर्ण भूमिका पर गर्व की। चितकारा यूनिवर्सिटी की प्रो-चांसलर डॉ. मधु चितकारा ने कहा कि यूनिवर्सिटी और बाहा एसएई इंडिया ने 2015 से एक गहन और फलदायी साझेदारी की जिसमें फिजिकल राउंड की मेजबानी और पिछले कुछ वर्षों में वर्चुअल राउंड की मेजबानी करने का सौभाग्य मिला है।



बाहा एसएई इंडिया 2025 के वर्चुअल राउंड की चितकारा यूनिवर्सिटी में भव्य शुरुआत

200 टीमों ले रही है हिस्सा

व्यक्ति/गुणवत्ता

चंडीगढ़। सिंगल सीटर एटीवी (ऑल-टरेन व्हीकल) की संकल्पना, डिजाइन, मॉडलिंग, विश्लेषण, निर्माण और उसके सत्यापन के लिए इंजीनियरिंग डिजाइन कॉम्पटीशन बाहा एसएई इंडिया, 2025 के वर्चुअल राउंड की चितकारा यूनिवर्सिटी में शुरूआत आज 29 नवम्बर से हुई। बाहा एसएई इंडिया कार्यक्रम ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग की पेशेवर सोसायटी एसएई इंडिया का प्रमुख फ्लैगशिप आयोजन है और हर वर्ष इसमें 5,000 से 10,000 इंजीनियरिंग छात्र सम्मिलित होते हैं। इस वर्ष 18वें सीजन में 200 प्रतिभागी टीमों भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता का आयोजन तीन चरणों में किया जाएगा जिसमें प्रत्येक चरण पिछले चरण से अधिक चुनौतीपूर्ण होगा। वर्चुअल राउंड, का आयोजन चितकारा यूनिवर्सिटी में किया जा रहा है जिसमें विक्री, लागत और डिजाइन मूल्यांकन के साथ सस्टेनैबिलिटी इवेंट और इन सिमुलेशन

इवेंट शामिल है। इसमें आईपीजी कारमेकर का उपयोग करते हुए वर्चुअल डायनमिक इवेंट भी शामिल है, जो टीमों के मूल्यांकन के लिए एक व्यापक दांचा प्रदान करते हैं। एक स्मार्ट, सुरक्षित और अधिक सस्टेनैबल भविय को बढ़ावा देने की प्रतियोगिता के साथ, बाहा एसएई इंडिया छात्रों को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के माध्यम से कार्यात्मक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक कौशल और विचारधारा से तैयार करता है। बाहा एसएई इंडिया के पिछले सीजन 2024 में मोबिलिटी के भविय को चुनौतियों के लिए तैयार करने के लिए 'ए-बहा' और 'ए-बहा-2' ने नाम से दो नई कटेरींग को इस इवेंट में शामिल किया गया था। ए-बहा कटेरींग में इस बार 200 टीमों की सहभागिता है जो इवेंट में आकर्षित पहिलीलाता के लिए बहुत उत्साह को दर्शाता है जब प्रो-ऑल-टरेन व्हीकल जिसमें बिना ड्रइवर के ऑल-टरेन व्हीकल प्रस्ताव है इसने पिछले साल पांच टीमों के साथ शुरुआत की थी इस बार 20 टीमों

इस कटेरींग में शामिल हुई है जो ए.टी.वी.एस (एडवांस्ड ड्रइवर ऑपरेशन निरूपण) वाले वाहन के बड़े माहव को दर्शाता है। यह उत्कृष्ट विश्व और इंडस्ट्रीज के बीच की खाई को ढालने के लिए बाहा एसएई इंडिया को भूमिका को एक प्रतिभागी मंच के रूप में उजागर करती है। बाहा एसएई इंडिया 2025 के वर्चुअल राउंड की शुरुआत के मौके पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए चितकारा यूनिवर्सिटी के उप कुलपति डॉ. सचौर शर्मा ने यूनिवर्सिटी की अगली पीढ़ी के इंजीनियरों को तैयार करने के मिशन के बारे में जानकारी दी। बाहा एसएई इंडिया की आयोजन समिति के अध्यक्ष, बलराज सुब्रमण्यम ने अगली पीढ़ी के मोबिलिटी इंजीनियरों को आकार देने में बाहा एसएई इंडिया द्वारा निर्भर जा रही महत्वपूर्ण भूमिका पर गर्व करते हुए कहा कि -बाहा एसएई इंडिया शुरुआत से ही इन्वेस्टमेंट और लॉगिन के प्रकार स्थापना का प्रतीक रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले 18 वर्षों में, यह एक प्रतिभागी मंच के रूप में विकसित



हू है जो छात्रों को इंजीनियरिंग के हर पहलू में उत्कृष्टता हासिल करने की चुनौती देता है। अब चार क्षेत्रों के साथ एक नई थीम -'प्यून फर प्यूनर' और देश भर की टीमों की असाधारण भागीदारी के कारण यह आयोजन साल दर साल अभी बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस बाहा एसएई इंडिया को एक शानदार और सफल आयोजन बनाने में सहयोग करने के लिए अपने प्रायोजकों, भागीदारों, संस्थापक और लॉगिन के प्रकार स्थापना का प्रतीक रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले 18 वर्षों में, यह एक प्रतिभागी मंच के रूप में विकसित

ने दुनिया भर में ऑटोमोटिव और गैर-ऑटोमोटिव दोनों उद्योगों में नेतृत्व की भूमिका में खुद को शामिल कर इस आयोजन को जबरदस्त वृद्धि और इसके प्रतिभागियों पर इसके स्थायी प्रभाव को रेखांकित किया है। इस मौके पर चितकारा यूनिवर्सिटी की प्रो-चांसलर डॉ. मधु चितकारा, ने कहा कि -चितकारा यूनिवर्सिटी और बाहा एसएई इंडिया ने 2015 से एक गहन और फलदायी साझेदारी की जिसमें हमें पहले फिजिकल राउंड की मेजबानी और पिछले कुछ वर्षों में वर्चुअल राउंड की मेजबानी करने का

सौभाग्य मिला है। यह शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को ढालने में हमारी आपसी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। बाहा एसएई इंडिया के साथ मिलकर हम भारत के ऑटोमोटिव परिदृश्य के भविय को आकार देने के लिए सत्यापन, सस्टेनैबिलिटी और एक्सप्लोरेशन के साथ अपने को संचय वाली इंजीनियरिंग को और बढ़ा रहे हैं, यह वादा इसमें शामिल सभी लोगों को कड़ी मेहनत, दृढ़दृष्टि और समर्पण का प्रमाण है।

बाहा एसएई इंडिया का दृढ़ समर्थक

कोशल देना को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिता से परे हैं, छात्रों को वास्तविक दुनिया के वास्तविक प्रयोगों का वातावरण के लिए तैयार करते हैं, जो उन्हें उद्योग में विशिष्ट भूमिकाओं के लिए तैयार करते हैं। बाहा एसएई इंडिया 2025 का तीसरा चरण प्रतियोगिता को नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए तैयार है, जिसमें तीन अलग-अलग स्थानों पर कार्यक्रम निर्वाह किए गए हैं। श्रद्धालु की शुरुआत करते हुए, एस.ए.ई. और एस.ए.ई. इंडिया के लिए पूरे राउट से प्रतियोगिता है और इंजीनियरों की अगली पीढ़ी को आकार देने के अपने मिशन का समर्थन करना जारी रखेगा। इस साझेदारी के माध्यम से, बाहा एसएई इंडिया और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए अत्यधिक कोशल प्रदान करने के लिए समर्पित है। बाहा एसएई इंडिया के एक प्रतिभागी राउट के साथ वर्चुअल राउंड के संयोजक, श्री अश्वरूप चव्हाण ने अपने चरण पर ले जाने के लिए तैयार हैं। सस्टेनैबिलिटी रूप से चुने गए वे स्थान तकनीकी उत्कृष्टता और उसकी प्रतिस्पर्धा का वादा करते हैं, जो पहिलीलाता के भविय को आकार देने में इस आयोजन के महत्व को और रेखांकित करता है।

बाहा एसएई इंडिया 2025 के वर्चुअल राउंड की चितकारा यूनिवर्सिटी में भव्य शुरुआत

चंडीगढ़, स्टेट समाचार।



सिंगल सीटर एटीवी (ऑल-टैरेन व्हीकल) की संकल्पना, डिजाइन, मॉडलिंग, विश्लेषण, निर्माण और उसके सत्यापन के लिए इंजीनियरिंग डिजाइन कॉम्पीटीशन बाहा एसएई इंडिया, 2025 के वर्चुअल राउंड की चितकारा यूनिवर्सिटी में शुरुआत आज 29 नवम्बर से हुई।

बाहा एसएई इंडिया कार्यक्रम ऑटोमोटिव इंजीनियर्स की पेशेवर सोसायटी एसएई इंडिया का प्रमुख फ्लैगशिप आयोजन है और हर वर्ष इसमें 5,000 से 10,000 इंजीनियरिंग छात्र सम्मिलित होते हैं। इस वर्ष 18वें सीजन में 200 प्रतिभागी टीमों में भाग ले रही है। प्रतियोगिता का आयोजन तीन चरणों में किया जाएगा जिसमें प्रत्येक चरण पिछले चरण से अधिक चुनौतीपूर्ण होगा। वर्चुअल राउंड, का आयोजन चितकारा यूनिवर्सिटी में किया जा रहा है जिसमें बिक्री, लागत और डिजाइन मूल्यांकन के साथ सरस्टेनिबिलिटी इवेंट और इंजन सिमुलेशन इवेंट शामिल है। इसमें आईपीजी कारमेकर

का उपयोग करते हुए वर्चुअल सास्टेनेबल भविष्य को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के साथ, बाहा एसएई इंडिया छात्रों को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के माध्यम से वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक कौशल और विशेषज्ञता से लैस करता है। बाहा एसएई इंडिया के पिछले सीजन 2024 में मोबिलिटी के भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने के लिए एच-बाहा- और ए-बाहा- ने नाम से दो

नई कटेगोरीज को इस इवेंट्स में शामिल किया गया था। एच-बाहा कटेगोरी में इस बार 20 टीमों पंजीकृत हुई हैं जो हाइड्रोजन-आधारित गतिशीलता के लिए बढ़ते उत्साह को दर्शाता है जहां ऑल-टैरेन व्हीकल एचसीएनजी पर चलेंगी। इसी तरह, ए-बाहा जिसमें बिना ड्राइवर के ऑल-टैरेन व्हीकल चलती हैं इसने पिछले साल पांच टीमों के साथ शुरुआत की थी इस बार 20 टीमों इस कटेगोरी में शामिल हुई हैं जो ए.डी.एस (एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम्स) वाले वाहनों के बढ़ते महत्व को दर्शाता है। यह उपलब्धि शिक्षा और इंस्ट्रुक्शन के बीच

की खाई को पाटने के लिए बाहा एसएई इंडिया की भूमिका को एक गतिशील मंच के रूप में उजागर करती है। बाहा एसएई इंडिया 2025 के वर्चुअल राउंड की शुरुआत के मौके पर एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए चितकारा यूनिवर्सिटी के उप कुलपति डॉ. संधीर शर्मा ने यूनिवर्सिटी की अगली पीढ़ी के इंजीनियरों को तैयार करने के मिशन के बारे में जानकारी दी। बाहा एसएई इंडिया की आयोजन समिति के अध्यक्ष, बलराज सुब्रमण्यम ने अगली पीढ़ी के मोबिलिटी इंजीनियरों को आकार देने में बाहा एसएई इंडिया द्वारा निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा करते हुए कहा कि -बाहा एसएई इंडिया शुरुआत से ही इनोवेशन और लर्निंग के प्रकाश स्तंभ का प्रतीक रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले 18 वर्षों में, यह एक गतिशील मंच के रूप में विकसित हुआ है जो छात्रों को इंजीनियरिंग के हर पहलू में उत्कृष्टता हासिल करने की चुनौती देता है। अब चार श्रेणियों के साथ एक नई थीम -प्युजल फॉर प्युचर- और देश भर की टीमों की असाधारण भागीदारी के

कारण यह आयोजन साल दर साल आगे बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम बाहा एसएई इंडिया को एक शानदार और सफल आयोजन बनाने में सहयोग करने के लिए अपने प्रायोजकों, भागीदारों, संकाय और भाग लेने वाली टीमों के प्रति उनके अटूट समर्पण के लिए बहुत आभारी हैं। समय के साथ, बाहा एसएई इंडिया के पूर्व छात्रों ने दुनिया भर में ऑटोमोटिव और गैर-ऑटोमोटिव दोनों उद्योगों में नेतृत्व की भूमिका में खुद को शामिल कर इस आयोजन की जबरदस्त वृद्धि और इसके प्रतिभागियों पर इसके स्थायी प्रभाव को रेखांकित किया है। इस मौके पर चितकारा यूनिवर्सिटी की प्रो-चांसलर डॉ. मधु चितकारा, ने कहा कि -चितकारा यूनिवर्सिटी और बाहा एसएई इंडिया ने 2015 से एक गहन और फलदायी साझेदारी की जिसमें हमें पहले फिजिकल राउंड की मेजबानी और पिछले कुछ वर्षों में वर्चुअल राउंड की मेजबानी करने का सौभाग्य मिला है। यह शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटने में हमारी आपसी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

बाहा एस.ए.ई इंडिया 2025 के वर्चुअल राउंड की चितकारा यूनिवर्सिटी में भव्य शुरुआत

समर्थ बंधु

चंडीगढ़। सिंगल सीटर एटीवी (ऑल-टैरेन व्हीकल) की संकल्पना, डिजाइन, मॉडलिंग, विश्लेषण, निर्माण और उसके सत्यापन के लिए इंजीनियरिंग डिजाइन कॉम्पीटीशन बाहा एसएई इंडिया, 2025 के वर्चुअल राउंड की चितकारा यूनिवर्सिटी में शुरुआत आज 29 नवम्बर से हुई।



बाहा एसएई इंडिया कार्यक्रम ऑटोमोटिव इंजीनियर्स की पेशेवर सोसायटी एसएई इंडिया का प्रमुख फ्लैगशिप आयोजन है और हर वर्ष इसमें 5,000 से 10,000 इंजीनियरिंग छात्र सम्मिलित होते हैं। इस वर्ष 18वें सीजन में 200 प्रतिभागी टीमों में भाग ले रही है। प्रतियोगिता का आयोजन तीन चरणों में किया जाएगा जिसमें प्रत्येक चरण पिछले चरण से अधिक चुनौतीपूर्ण होगा। वर्चुअल राउंड, का आयोजन चितकारा यूनिवर्सिटी में किया जा रहा है जिसमें बिक्री, लागत और डिजाइन मूल्यांकन के साथ सरस्टेनिबिलिटी इवेंट और इंजन सिमुलेशन इवेंट शामिल है। इसमें आईपीजी कारमेकर का उपयोग करते हुए वर्चुअल सास्टेनेबल भविष्य को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के साथ, बाहा एसएई इंडिया छात्रों को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के माध्यम से वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक कौशल और विशेषज्ञता से लैस करता है। बाहा एसएई इंडिया के पिछले सीजन 2024 में मोबिलिटी के भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने के लिए एच-बाहा- और ए-बाहा- ने नाम से दो

हाइड्रोजन-आधारित गतिशीलता के लिए बढ़ते उत्साह को दर्शाता है जहां ऑल-टैरेन व्हीकल एचसीएनजी पर चलेंगी। इसी तरह, ए-बाहा जिसमें बिना ड्राइवर के ऑल-टैरेन व्हीकल चलती हैं इसने पिछले साल पांच टीमों के साथ शुरुआत की थी इस बार 20 टीमों इस कटेगोरी में शामिल हुई हैं जो ए.डी.एस (एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम्स) वाले वाहनों के बढ़ते महत्व को दर्शाता है। यह उपलब्धि शिक्षा और इंस्ट्रुक्शन के बीच की खाई को पाटने के लिए बाहा एसएई इंडिया की भूमिका को एक गतिशील मंच के रूप में उजागर करती है। बाहा एसएई इंडिया 2025 के वर्चुअल राउंड की शुरुआत के मौके पर एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए चितकारा यूनिवर्सिटी के उप कुलपति डॉ. संधीर शर्मा ने यूनिवर्सिटी की अगली पीढ़ी के इंजीनियरों को तैयार करने के मिशन के बारे में जानकारी दी। बाहा एसएई इंडिया द्वारा निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा करते हुए कहा कि -बाहा एसएई इंडिया शुरुआत से ही इनोवेशन और लर्निंग के प्रकाश स्तंभ का प्रतीक रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले 18 वर्षों में, यह एक गतिशील मंच के रूप में विकसित हुआ है जो छात्रों को इंजीनियरिंग के हर पहलू में उत्कृष्टता

हासिल करने की चुनौती देता है। अब चार श्रेणियों के साथ एक नई थीम "प्युजल फॉर प्युचर" और देश भर की टीमों की असाधारण भागीदारी के कारण यह आयोजन साल दर साल आगे बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम बाहा एसएई इंडिया को एक शानदार और सफल आयोजन बनाने में सहयोग करने के लिए अपने प्रायोजकों, भागीदारों, संकाय और भाग लेने वाली टीमों के प्रति उनके अटूट समर्पण के लिए बहुत आभारी हैं। समय के साथ, बाहा एसएई इंडिया के पूर्व छात्रों ने दुनिया भर में ऑटोमोटिव और गैर-ऑटोमोटिव दोनों उद्योगों में नेतृत्व की भूमिका में खुद को शामिल कर इस आयोजन की जबरदस्त वृद्धि और इसके प्रतिभागियों पर इसके स्थायी प्रभाव को रेखांकित किया है।

एससीलेंस के साथ आगे की सोच वाली इंजीनियरिंग को आगे बढ़ा रहे हैं। यह यात्रा इसमें शामिल सभी लोगों की कड़ी मेहनत, दूरदर्शिता और समर्पण का प्रमाण है। बीपीसीएल अपनी स्थापना के समय से ही बाहा एसएई इंडिया का दृढ़ समर्थक रहा है, जिसने इस आयोजन की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भारत पेट्रोलियम की महाप्रबंधक चारु यादव ने इस साझेदारी के बारे में बात करते हुए कहा, "बीपीसीएल वर्ष 2007 से बाहा एसएई इंडिया का समर्थन करता आया है। यह भागीदारी ए-बाहा टीमों को ईंधन प्रदान करने के साथ शुरू हुई, और इन वर्षों में, हमने अपनी भूमिका का विस्तार किया है, जिसमें ई-बाहा गैरिग्यों के लिए इलेक्ट्रिक ईंधन की आपूर्ति करना भी अब इसमें शामिल है। बीपीसीएल बाहा एसएई इंडिया के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और इंजीनियरों की अगली पीढ़ी को आकार देने के अपने मिशन का समर्थन करना जारी रखेगा। इस साझेदारी के माध्यम से, बीपीसीएल नवाचार और उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने, छात्रों को उद्योग में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करने के लिए समर्पित है।"

बाहा एसएई इंडिया 2025 का तीसरा चरण प्रतियोगिता को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार है, जिसमें तीन अलग-अलग स्थानों पर कार्यक्रम निर्धारित किए गए हैं। श्रृंखला की शुरुआत करते हुए, एमू बाहा और एचू बाहा 9 से 12 जनवरी 2025 तक नाइक्स पीथमपुर, इंदौर में प्रतियोगी अपनी क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। इसके बाद 20 से 23 फरवरी 2025 तक, स्पोर्टलाइट हेवराबाद के बी वि राजू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी पर स्थानांतरित हो जाएगी, जोकि ई-बाहा केंद्र में होगा। भव्य समापन संभवतः 2025 के मध्य में पुणे के पास ए.आर.ए.आई की तकवे सुविधा में होने की उम्मीद है, जहां ए-बाहा प्रतियोगिता को अपने चरम पर ले जाने के लिए तैयार है। रणनीतिक रूप से चुने गए स्थान तकनीकी उत्कृष्टता और उत्साही प्रतिस्पर्धा का वादा करते हैं, जो गतिशीलता के भविष्य को आकार देने में इस आयोजन के महत्व को और रेखांकित करता है।

इस मौके पर चितकारा यूनिवर्सिटी की प्रो-चांसलर डॉ. मधु चितकारा, ने कहा कि "चितकारा यूनिवर्सिटी और बाहा एसएई इंडिया ने 2015 से एक गहन और फलदायी साझेदारी की जिसमें हमें पहले फिजिकल राउंड की मेजबानी और पिछले कुछ वर्षों में वर्चुअल राउंड की मेजबानी करने का सौभाग्य मिला है। यह शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटने में हमारी आपसी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। बाहा एसएई इंडिया के साथ मिलकर हम भारत के ऑटोमोटिव परिदृश्य के भविष्य को आकार देने के लिए रचनात्मकता, सरस्टेनिबिलिटी और

प्रतिभागी रह चुके और अब वर्चुअल राउंड के संयोजक, ऋतुराज पाटिल ने सर्वांगीण इंजीनियरों को आकार देने में वर्चुअल इवेंट्स के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, लागत,

रिश्तार, बिक्री मूल्यांकन, स्थिरता कार्यक्रम और इंजन सिमुलेशन इवेंट जैसे कार्यक्रम भाग लेने वाली टीमों के तकनीकी और परिचालन कौशल दोनों को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये चुनौतियां इंजीनियरिंग से परे हैं, छात्रों को वाहन डिजाइन के व्यवसाय और स्थिरता पहलुओं का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करती हैं, जो उन्हें उद्योग में विविध भूमिकाओं के लिए तैयार करती हैं।

चित्रकारा यूनिवर्सिटी विद्ये रोएी घाहा अॅसडेटी इंडीआ-2025 दे वरचुअल राउंड दी सुरुआत

सॅच कर्तु निरुध

चंडीगढ़, 29 नवंबर

सिंगल सीटर एटीवी (ऑल-टरेन व्हीकल) की पाठाना, डिजाइन, मांडलिंग, विभाषण, निर्माण तं पुमांडिका लयी इंजीनीअरिंग डिजाइन मुकाबला घाहा अॅसडेटी इंडीआ-2025 दे वरचुअल राउंड दी अॅस 29 नवंबर नुं चित्रकारा यूनिवर्सिटी विधं सुरुआत रोएी। इस साल इस पुडीअगता दे 18वॅ सीसन 'च 200 पुडीअगी टीमं ड्राग ले रगीअं हल।



घाहा-अॅसडेटी इंडीआ-2025 दे वरचुअल राउंड दी सुरुआत मेके पूस कानडरंस नुं सॅघन करदे रोए चित्रकारा यूनिवर्सिटी दे वायीस चांसलर डः संधीर शर्मा नं यूनिवर्सिटी दे इंजीनीअरं दी अगली पीडी नुं डिआर करन दे मिशन घारे सांठकारो इंडीआ-2025 दे वरचुअल राउंड दी सुरुआत हासिल करन दी चुटोडी दिंदा हें।

पुसंकी कमंटी दे चांसलरसल घलराज सुभारानीअम नं मॅखिलटी इंजीनीअरां दी अगली पीडी नुं आकार देतं च घाहा-अॅसडेटी इंडीआ घाहा निर्बाडी गयी मरेंडवपुवन डुमिका 'डे चरवा करदिआं किंवा कि, घाहा अॅसडेटी इंडीआ आरंभ तें जी नवौना अउं विंदिआ दे चानट म्हागे दा पुडीअ किंवा हें।

उनुं दंसिआ कि पिडले 18 सालं विच दिव इंकि गडीडीअ मॅच दे रुप विंच विवसिड रोएी हें, न विदिआरगीअं नुं दिजनीअरिंग दे हर पहिलू दी उतंडा हासिल करन दी चुटोडी दिंदा हें।

नो नोज डिजाइन वाली ड्यून बग्गी बनाई स्टूडेंट्स ने जो ई-बाहा में कंपीट करेगी

Virtual Round

एसएई इंडिया-2025 के 'ई-बाहा' के फेज-2 का वर्चुअल राउंड बुनावर को शुरु हुआ। स्टूडेंट्स ने प्रोटोटाइप डिजाई किया।

सिटी रियल्टी | चंडीगढ़



इंजीनियर एटीवी (ऑल टैरन व्हीकल) के साथ बलराज सुब्रहमण्य, डॉ. मधु चिक्षरा व स्टूडेंट्स।

क्लेक रे सिंगल सीटर एटीवी (ऑल टैरन व्हीकल) बनने का टाक। इस पर खुरी उरती हें चिक्षरा के 25 इंजीनीअरिंग स्टूडेंट्स की टीम। उनहे लॉन्चिंग एटीवी का प्रोटी टाक बनाया हें, जो 'ड्यून बग्गी' हें।

इस तरह इंजीनीअरिंग स्टूडेंट्स के कंपीटीशन का हिस्सा बनने से स्टार्टअप आइडिया अउं हें अउर उनकी जॉब प्लेसमेंट हो जती हें। बलराज सुब्रहमण्य ने बताया- धनिया में अटॉमोबाइल इंजनी की जॉब को लेकर हें 'बाहा एसएई इंडिया', ताकि इंजीनीअरिंग के स्टूडेंट्स को जेडा जाए। गडी का इंजन, ग्रेनेशन, पैकेजिंग बनाना उन्की का कम

इस बार नॉर्थ से चार टीमें

बलराज सुब्रहमण्य ने बताया - हर कंपीटीशन के लिए एक टीम में 25 लोग होते हैं। तीन फेजों में प्रतियोगिता चलती है। प्रथम फेज में प्रोटीटाइप सभसे जयादा बा। अउर इनमें से चार हल हें। इस बार कंपीटीशन में देाभार से 90 इंजीनियर टीमें, गुरंतल से 60 टीमें शामिल हुई हें। सभसे जयादा प्रोटीटाइप तैयार, फिर सडथ-नॉथ और उन्के बाद इंट दे रहे हें। नॉथ से चार टीमें हें। एक चिक्षरा युनिवर्सिटी से, दूसरी पंजाब इंजीनीअरिंग कॉलेज, तीसरी यूआरई - चैंगु, चौथी रुर नमक इंजीनीअरिंग कॉलेज शामिल है।

नो नोज डिजाइन वाली ड्यून बग्गी बनाई, जो सिटी भी बाइक से आसानी से सॅघन कर ले जती हें। सभसे मुजिबकर अउर ई-बाहा सडथ रेट करती हें, जिनमें ड्यून बग्गी सॅघन कर बा। डिजाइन करे दे ए-बाहा शुरू करे की प्रेरणा मिलती तब से हम सॅघनान को बढ़ती हें।

बाहा एस.ए.ई इंडिया 2025 के वर्चुअल राउंड की चितकारा यूनिवर्सिटी में भव्य शुरूआत

200 टीमों ले रही है हिस्सा

हरियाणा वाटिका/प्रवीन कुमार चंडीगढ़, 29 नवंबर। सिंगल सीटर एटीवी (ऑल-टरेन व्हीकल) की संकल्पना, डिजाइन, मांडलिंग, विभाषण, निर्माण और उसके सत्यापन के लिए इंजीनीअरिंग डिजाइन कॉम्पटीशन बाहा एसएई इंडिया, 2025 के वर्चुअल राउंड की चितकारा यूनिवर्सिटी में शुरुआत आज 29 नवम्बर से हुई।

बाहा एसएई इंडिया कार्यक्रम ऑटोमोटिव इंजीनीअरिंस की पेशेवर सोसायटी एसएई इंडिया का प्रमुख फ्लैगशिप आयोजन है और हर वर्ष इसमें 5,000 से 10,000 इंजीनीअरिंग छात्र सम्मिलित होते हैं। इस वर्ष 18वें सीजन में 200 प्रतिभागि टीमें भाग ले रही है। प्रतियोगिता का आयोजन तीन चरणों में किया जाएगा जिसमें प्रत्येक चरण पिछले चरण से अधिक चुनौतीपूर्ण होगा। वर्चुअल राउंड, का आयोजन चितकारा यूनिवर्सिटी में किया जा रहा है जिसमें बिक्री, लागत और डिजाइन



मूल्यांकन के साथ सस्टेनिबिलिटी इवेंट और इंजन सिमुलेशन इवेंट शामिल है। इसमें आईपीजी कारमेकर का उपयोग करते हुए वर्चुअल डायनेमिक इवेंट भी शामिल हैं, जो टीमों के मूल्यांकन के लिए एक व्यापक ढांचा प्रदान करते हैं। एक स्मार्ट, सुरक्षित और अधिक सस्टेनेबल भविष्य को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के साथ, बाहा एसएई इंडिया छात्रों को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के

माध्यम से वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक कौशल और विशेषज्ञता से लैस करता है। बाहा एसएई इंडिया के पिछले सीजन 2024 में मोबिलिटी के भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने के लिए हएच-बाहा और हएए-बाहा ने नाम से दो नई केटेगरीज को इस इवेंट में शामिल किया गया था। एच-बाहा केटेगरी में इस बार 20 टीमें पंजीकृत हुई हैं जो हाइड्रोजन-आधारित

गतिशीलता के लिए बढ़ते उत्साह को दर्शाता है जहां पर ऑल-टरेन व्हीकल एचसीएनजी पर चलेंगी। इसी तरह, ए-बाहा जिसमें बिना ड्राइवर के ऑल-टरेन व्हीकल चलती हैं इसने पिछले साल पांच टीमों के साथ शुरुआत की थी इस बार 20 टीमों इस केटेगरी में शामिल हुई हैं जो ए.डी.ए.एस (एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम) वाले वाहनों के बढ़ते महत्व को दर्शाता है। ?ह उपलब्धि शिक्षा और इंटरैक्टिव के बीच की खाई को पाटने के लिए बाहा एसएई इंडिया की भूमिका को एक गतिशील मंच के रूप में उजागर करती है। बाहा एसएई इंडिया 2025 के वर्चुअल राउंड की शुरुआत के मौके पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए चितकारा यूनिवर्सिटी के उप कुलपति डॉ. संधीर शर्मा ने यूनिवर्सिटी की अगली पीढ़ी के इंजीनीअरों को तैयार करने के मिशन के बारे में जानकारी दी।

चंडीगढ़ दिनभर

चितकारा यूनिवर्सिटी में बाहा एसएई इंडिया 2025 का आगाज़, 200 टीमों ने लिया भाग



चंडीगढ़ दिनभर
 चंडीगढ़ : चितकारा यूनिवर्सिटी में आज से बाहा एसएई इंडिया 2025 के वर्चुअल राउंड की प्रतियोगिता में देशभर की 200 से अधिक टीमों हिस्सा ले रही हैं, जो सिंगल सीटर ऑल-टेन व्हीकल (एटीवी) के डिजाइन, मॉडलिंग, निर्माण और मूल्यांकन जैसे चुनौतीपूर्ण कार्यों पर काम करेंगी। वर्चुअल राउंड में विक्री, लागत, डिजाइन और सरटेनेबिलिटी के साथ-साथ इंजन सिमुलेशन और वर्चुअल डायनेमिक इवेंट शामिल हैं। इस आयोजन का उद्देश्य युवा इंजीनियरों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए तैयार करना और ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी में नवीनता को प्रोत्साहित करना है।

नई केटेगरीज और भविष्य की गतिशीलता पर फोकस
 इस बार, बाहा एसएई इंडिया में 'एच-बाह' और 'ए-बाह' जैसी नई श्रेणियों को भी शामिल किया गया है। एच-बाह में एडवेंचर-आधारित व्हीकल पर काम किया जा रहा है, जबकि ए-बाह स्वचालित वाहनों के निर्माण और एडवेंचर ड्रइव अभिरूपांतरण को बढ़ावा देता है। चितकारा यूनिवर्सिटी के उप-कुलपति डॉ. संदीप केना और आयोजन समिति के अध्यक्ष बलराज सुब्रमण्यम ने इसे शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई पैलने वाला एक उत्कृष्ट कदम बताया। शैक्षणिक और उच्च प्रमुख उद्योग साझेदारों के सहयोग से यह प्रतियोगिता छात्रों को तकनीकी और व्यवसायिक कौशल में महारत हासिल कराने का अवसर प्रदान करती है।

बी.बी. राजू इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी में आयोजित होगा, जिसमें ई-बह टीमें अपनी प्रतिभा दिखाएंगीं। फंडेशन राउंड जून 2025 में पुणे के पास ए.आर.ए.आई. की तकनीक सुझा में होगा, जहां ए-बाह प्रतियोगिता के विजेता का चयन होगा। इस आयोजन से भारत के ऑटोमोटिव उद्योग के भविष्य को नई दिशा देने की उम्मीद है।

November 29, 2024
 Page No: 2
 epaper.chandigarhadinbhar.com

बाहा एस.ए.ई इंडिया 2025 के वर्चुअल राउंड की चितकारा यूनिवर्सिटी में भव्य शुरुआत

उत्तम हिन्दू न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़/प्रोसन बर्मन : इंजीनियरिंग डिजाइन कॉम्पटीशन बाहा एसएई इंडिया, 2025 के वर्चुअल राउंड की चितकारा यूनिवर्सिटी में शुरुआत हुई। बाहा एसएई इंडिया कार्यक्रम ऑटोमोटिव इंजीनियर्स की पेशेवर सोसायटी एसएई इंडिया का प्रमुख प्रतियोगिता आयोजन है और हर वर्ष इसमें 5,000 से 10,000 इंजीनियरिंग छात्र सम्मिलित होते हैं। इस वर्ष 18वें सीजन में 200 प्रतिभागी टीमों ने भाग ले रही है। प्रतियोगिता का आयोजन तीन चरणों में किया जाएगा जिसमें प्रत्येक चरण पिछले चरण से अधिक चुनौतीपूर्ण होगा। वर्चुअल राउंड, का आयोजन चितकारा यूनिवर्सिटी में किया जा रहा है जिसमें विक्री, लागत और डिजाइन मूल्यांकन के साथ सरटेनेबिलिटी इवेंट और इंजन सिमुलेशन इवेंट



चितकारा यूनिवर्सिटी में बाहा एसएई इंडिया की शुरुआत करते गणमान्य। शामिल है। इसमें आईपीजी कारमेकर का उपयोग करते हुए वर्चुअल डायनेमिक इवेंट भी शामिल हैं, जो टीमों के मूल्यांकन के लिए एक व्यापक ढांचा प्रदान करते हैं। बाहा एसएई इंडिया की आयोजन समिति के अध्यक्ष, बलराज सुब्रमण्यम ने अगली पीढ़ी के मोबिलिटी इंजीनियरों को आकार देने में बाहा एसएई इंडिया द्वारा निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा करते हुए कहा कि बाहा एसएई इंडिया शुरुआत से ही इनोवेशन और लर्निंग के प्रकाश स्तंभ का प्रतीक रहा है। चितकारा यूनिवर्सिटी की प्रो-चांसलर डॉ. मधु चितकारा, ने कहा कि चितकारा यूनिवर्सिटी और बाहा एसएई इंडिया ने 2015 से एक गहन और फलदायी साझेदारी की जिसमें हमें पहले फिजिकल राउंड की मेजबानी और पिछले कुछ वर्षों में वर्चुअल राउंड की मेजबानी करने का सौभाग्य मिला है।

सिंगल सीटर गाड़ी बनाने का इंजीनियरिंग डिजाइन कंपीटिशन शुरू, 200 टीमों ले रहीं हिस्सा



चितकारा यूनिवर्सिटी के छात्र की बनाई गई सिंगल सीटर गाड़ी। अमर उजाला

बाहा एसएई इंडिया 2025 : वर्चुअल दौर की शुरुआत, चितकारा यूनिवर्सिटी में एक दिसंबर तक आयोजन

माई सिटी रिपोर्टर

चंडीगढ़। सिंगल सीटर एटीवी (ऑल-टेन व्हीकल) की संकल्पना, डिजाइन, मॉडलिंग, निर्माण और उसके सत्यापन के लिए इंजीनियरिंग डिजाइन कंपटीशन बाहा एसएई इंडिया-2025 के वर्चुअल राउंड की चितकारा यूनिवर्सिटी में शुरुआत हो गई है। सेक्टर-17 के एक निजी होटल में आयोजकों ने आधिकारिक रूप से वर्चुअल दौर का शुभारंभ किया। बाहा एसएई इंडिया सिंगल सीटर गाड़ी बनाने का इंजीनियरिंग डिजाइन कंपीटिशन है। इस साल 18वें सीजन में 200 प्रतिभागी टीमों ने भाग ले रही हैं। बाहा एसएई इंडिया कार्यक्रम ऑटोमोटिव इंजीनियर्स की पेशेवर सोसायटी एसएई इंडिया

डॉ. मधु चितकारा बोली-छात्रों को मिलती है प्रैक्टिकल नॉलेज

बाहा एसएई इंडिया की आयोजन समिति के अध्यक्ष बलराज सुब्रमण्यम ने कहा कि यह इवेंट शुरुआत से ही इनोवेशन और लर्निंग के प्रकाश स्तंभ का प्रतीक रहा है। पिछले 18 वर्षों में यह एक गतिशील मंच के रूप में विकसित हुआ है, जो छात्रों को इंजीनियरिंग के हर पहलू में उत्कृष्टता हासिल करने की चुनौती देता है। चितकारा यूनिवर्सिटी की प्रो-चांसलर डॉ. मधु चितकारा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से छात्र बहुत कुछ सीखते हैं। उन्हें सिर्फ कितनी ज्ञान ही नहीं, बल्कि प्रैक्टिकल नॉलेज मिलती है। यह शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटता है। साथ ही रचनात्मकता, सरटेनेबिलिटी और एक्सप्लोरेशन के साथ आगे की सोच वाली इंजीनियरिंग को आगे बढ़ाता है। पेट्रोलियम की महाप्रबंधक चारु यादव ने कहा कि बीपीसीएल 2007 से बाहा एसएई इंडिया का समर्थन करता आया है।

का प्रमुख आयोजन है। हर साल इसमें पांच से 10 हजार इंजीनियरिंग छात्र हिस्सा लेते हैं। प्रतियोगिता का आयोजन तीन चरणों में किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक चरण पिछले चरण से अधिक चुनौतीपूर्ण होगा। वर्चुअल दौर, दूसरा चरण है। इसका आयोजन

टीमों के मूल्यांकन के लिए एक व्यापक ढांचा प्रदान करते हैं। तीसरा चरण 9 से 12 जनवरी 2025 तक नाटैक्स पीथमपुर इंदौर में होगा।

चितकारा यूनिवर्सिटी के उप कुलपति डॉ. संधीप शर्मा ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से अगली पीढ़ी के इंजीनियर तैयार होते हैं। यह एनईपी के तहत भी है, क्योंकि उसमें कहा गया है कि शिक्षण संस्थाएं, उद्योगों के साथ मिलकर काम करें।

साथ ही ये एसडीजी के बिंदुओं को भी पूरा करता है। बाहा एसएई इंडिया छात्रों को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक कौशल और विशेषज्ञता से लैस करता है।

बाहा एस.ए.ई इंडिया 2025 के वर्चुअल राउंड की चितकारा यूनिवर्सिटी में भव्य शुरुआत

डीडी न्यूज नेटवर्क

चंडीगढ़। सिंगल सीटर एटीवी (ऑल-टैरेन व्हीकल) की संकल्पना, डिजाइन, मॉडलिंग, विश्लेषण, निर्माण और उसके सत्यापन के लिए इंजीनियरिंग डिजाइन कॉम्पीटीशन बाहा एसएई इंडिया, 2025 के वर्चुअल राउंड की चितकारा यूनिवर्सिटी में शुरुआत आज 29 नवम्बर से हुई।

बाहा एसएई इंडिया कार्यक्रम ऑटोमोटिव इंजीनियर्स की पेशेवर सोसायटी एसएई इंडिया का प्रमुख फ्लैगशिप आयोजन है और हर वर्ष इसमें 5,000 से 10,000 इंजीनियरिंग छात्र सम्मिलित होते हैं। इस वर्ष 18वें सीजन में 200 प्रतिभागी टीमों में भाग ले रही है। प्रतियोगिता का आयोजन तीन चरणों



में किया जाएगा जिसमें प्रत्येक चरण पिछले चरण से अधिक चुनौतीपूर्ण होगा। वर्चुअल राउंड, का आयोजन चितकारा यूनिवर्सिटी में किया जा रहा है जिसमें बिक्री, लागत और डिजाइन मूल्यांकन के साथ सस्टेनिबिलिटी इवेंट और इंजन सिमुलेशन इवेंट शामिल है। इसमें आईपीजी कारमेकर का उपयोग करते

हुए वर्चुअल डायनेमिक इवेंट भी शामिल हैं, जो टीमों के मूल्यांकन के लिए एक व्यापक ढांचा प्रदान करते हैं। एक स्मार्ट, सुरक्षित और अधिक सस्टेनेबल भविष्य को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के साथ, बाहा एसएई इंडिया छात्रों को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के माध्यम से वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का

सामना करने के लिए आवश्यक कौशल और विशेषज्ञता से लैस करता है। बाहा एसएई इंडिया के पिछले सीजन 2024 में मोबिलिटी के भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने के लिए 'एच-बाहा' और 'ए-बाहा' ने नाम से दो नई कटेगरीज को इस इवेंट्स में शामिल किया गया था। एच-बाहा कटेगरी में इस बार 20 टीमों पंजीकृत हुई हैं जो हाइड्रोजन-आधारित गतिशीलता के लिए बढ़ते उत्साह को दर्शाता है जहां पर ऑल-टैरेन व्हीकल एचसीएनजी पर चलेंगी। इसी तरह, ए-बाहा जिसमें बिना ड्राइवर के ऑल-टैरेन व्हीकल चलती हैं इसने पिछले साल पांच टीमों के साथ शुरुआत की थी इस बार 20 टीमों इस कटेगरी में शामिल हुई हैं।

बाहा एस.ए.ई इंडिया 2025 के वर्चुअल राउंड की चितकारा यूनिवर्सिटी में भव्य शुरुआत



हरियाणा न्यूज फ्लैश

चंडीगढ़। सिंगल सीटर एटीवी (ऑल-टैरेन व्हीकल) की संकल्पना, डिजाइन, मॉडलिंग, विश्लेषण, निर्माण और उसके सत्यापन के लिए इंजीनियरिंग डिजाइन कॉम्पीटीशन बाहा एसएई इंडिया, 2025 के वर्चुअल राउंड की चितकारा यूनिवर्सिटी में शुरुआत आज 29 नवम्बर से हुई। बाहा एसएई इंडिया कार्यक्रम ऑटोमोटिव इंजीनियर्स की पेशेवर सोसायटी एसएई इंडिया का प्रमुख फ्लैगशिप आयोजन है और हर वर्ष इसमें 5,000 से

10,000 इंजीनियरिंग छात्र सम्मिलित होते हैं। इस वर्ष 18वें सीजन में 200 प्रतिभागी टीमों में भाग ले रही है। प्रतियोगिता का आयोजन तीन चरणों में किया जाएगा जिसमें प्रत्येक चरण पिछले चरण से अधिक चुनौतीपूर्ण होगा। वर्चुअल राउंड, का आयोजन चितकारा यूनिवर्सिटी में किया जा रहा है जिसमें बिक्री, लागत और डिजाइन मूल्यांकन के साथ सस्टेनिबिलिटी इवेंट और इंजन सिमुलेशन इवेंट शामिल है। इसमें आईपीजी कारमेकर का उपयोग करते

हुए वर्चुअल डायनेमिक इवेंट भी शामिल हैं, जो टीमों के मूल्यांकन के लिए एक व्यापक ढांचा प्रदान करते हैं। एक स्मार्ट, सुरक्षित और अधिक सस्टेनेबल भविष्य को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के साथ, बाहा एसएई इंडिया छात्रों को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के माध्यम से वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक कौशल और विशेषज्ञता से लैस करता है। बाहा एसएई इंडिया के पिछले सीजन 2024 में मोबिलिटी के भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने के लिए 'एच-बाहा' और 'ए-बाहा' ने नाम से दो नई कटेगरीज को इस इवेंट्स में शामिल किया गया था। एच-बाहा कटेगरी में इस बार 20 टीमों पंजीकृत हुई हैं जो हाइड्रोजन-आधारित गतिशीलता के लिए बढ़ते उत्साह को दर्शाता है जहां पर ऑल-टैरेन व्हीकल एचसीएनजी पर चलेंगी।



Students and organisers of BAJA SAEINDIA virtual event with a 'buggy' prototype in Chandigarh on Friday. TRIBUNE PHOTO: PRADEEP TEWARI

BAJA SAEINDIA virtual event starts at Chitkara University

TRIBUNE NEWS SERVICE

CHANDIGARH, NOVEMBER 29
 Hundreds of mechatronics engineering students from across the nation are participating in the second phase of the BAJA SAEINDIA virtual event which started today. It is being organised by Chitkara University to present static events such as sales, cost and design evaluation, along with sustainability event and an engine simulation.

As many as 20 teams will participate in the second phase, which has two division first incorporate virtual dynamic events with the help of simulation-based model. It helps a team replicate a real vehicle in a virtual environment and know how it will perform on ground. The teams will also undertake a

comprehensive process of conceptualising, designing, modelling, analysing, manufacturing, validating and competing with a single-seater ATV (all-terrain vehicle) in a four-hour endurance test.

"It takes one year to complete a project. A 'buggy' costs around Rs 7 to 10 lakh, and is majorly sponsored by universities. A team consists of 25-30 students, depending upon the specifications of a vehicle," said Naman, a student of the host university. He further added that, "During this phase, there will be virtual testing before transporting the vehicle to the competition venue in January 2025. Basically, the chasis and weight of the vehicle is an important dynamic to concentrate upon. Thereafter, we move to suspension and roll

cage to streamline things in the software.

At virtual testing the design is finalised and tested. The brakes of the vehicles are worked upon, considering how much the vehicle is weighing. This vehicle can be used by off-roading lovers, Army personnel at remote postings, youngsters who love adventure and many others. Coming to the technical part, the prototype then gets tested using a software through a 3D project and later at the IPG Car Maker for the final approval.

Meanwhile, Balraj Subramaniam, chairman, organising committee, BAJA SAEINDIA, along with Dr Madhu Chitkara, Pro-Chancellor at Chitkara University, addressed the students on the occasion.

बाहा एसएई इंडिया के वर्चुअल राउंड की शुरुआत

चंडीगढ़ (वि.) : सिंगल सीटर एटीवी (आल-टेरेन व्हीकल) की संकल्पना, डिजाइन, माडलिंग, विश्लेषण, निर्माण और उसके सत्यापन के लिए इंजीनियरिंग डिजाइन कंपीटिशन बाहा एसएई इंडिया 2025 के वर्चुअल राउंड की चितकारा यूनिवर्सिटी में शुभारंभ हुआ। बाहा एसएई इंडिया कार्यक्रम आटोमोटिव इंजीनियर्स की पेशेवर सोसायटी एसएई इंडिया का प्रमुख पत्तेशिप आयोजन है। हर वर्ष इसमें पांच से 10 हजार इंजीनियरिंग के विद्यार्थी शामिल होते हैं। 18वें सीजन में 200 प्रतिभागी टीमों ने भाग ले रहीं हैं। प्रतियोगिता का आयोजन तीन चरणों में किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक चरण पिछले चरण से अधिक चुनौतीपूर्ण होगा। वर्चुअल राउंड का आयोजन चितकारा यूनिवर्सिटी में किया जा रहा है जिसमें बिक्री, लागत और डिजाइन

मूल्यांकन के साथ सस्टेनिबिलिटी इवेंट और इंजन सिमुलेशन इवेंट शामिल है। इसमें आइपीजी कार मेकर का उपयोग करते हुए वर्चुअल डायनेमिक इवेंट भी शामिल है, जो टीमों के मूल्यांकन के लिए एक व्यापक ढांचा प्रदान करते हैं। एक स्मार्ट, सुरक्षित और अधिक सस्टेनेबल भविष्य को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के साथ, बाहा एसएई इंडिया छात्रों को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक कौशल और विशेषज्ञता से लेस करता है। बाहा एसएई इंडिया के पिछले सीजन में मोबिलिटी के भविष्य की चुनौतियों के लिए 'एच-बाहा' और 'ऐ-बाहा' ने नाम से दो नई कैटेगरीज को इस इवेंट्स में शामिल किया गया था। एच-बाहा कैटेगरी में इस बार 20 टीमों ने पंजीकृत हुई हैं।



चितकारा यूनिवर्सिटी में शुरू हुआ बाहा एसएई इंडिया 2025 का वर्चुअल राउंड • विज्ञापन



बाहा एस.ए.ई इंडिया 2025 का वर्चुअल राउंड शुरू

चितकाटा यूनिवर्सिटी में हो रही प्रतियोगिता में 200 टीमों ले रही हिस्सा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। सिंगल सीटर एटीवी (ऑल-टैरन व्हीकल) की संकल्पना, डिजाइन, मॉडलिंग, विश्लेषण, निर्माण और उसके सत्यापन के लिए इंजीनियरिंग डिजाइन कंपीटिशन बाहा एसएई इंडिया, 2025 के वर्चुअल राउंड की चितकाटा यूनिवर्सिटी में शुक्रवार से शुरूआत हुई। बाहा एसएई इंडिया कार्यक्रम ऑटोमोटिव इंजीनियर्स की पेशेवर सोसायटी एसएई इंडिया का प्रमुख फ्लैगशिप आयोजन है। हर वर्ष इसमें 5,000 से 10,000 इंजीनियरिंग छात्र सम्मिलित होते हैं। इस वर्ष 18वें सीजन में 200 प्रतिभागी टीमों भाग ले रही है। प्रतियोगिता का आयोजन तीन चरणों में किया जाएगा जिसमें



प्रत्येक चरण पिछले चरण से अधिक चुनौतीपूर्ण होगा। वर्चुअल राउंड, का आयोजन चितकाटा यूनिवर्सिटी में किया जा रहा है जिसमें बिक्री, लागत और डिजाइन मूल्यांकन के साथ सस्टेनिबिलिटी इवेंट और इंजन सिमुलेशन इवेंट शामिल है। इसमें आईपीजी कारमेकर का उपयोग करते हुए वर्चुअल डायनेमिक इवेंट भी शामिल है,

जो टीमों के मूल्यांकन के लिए एक व्यापक ढांचा प्रदान करते हैं। एक स्मार्ट, सुरक्षित और अधिक सस्टेनेबल भविष्य को बढावा देने की प्रतिबद्धता के साथ, बाहा एसएई इंडिया छात्रों को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के माध्यम से वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक कौशल और विशेषज्ञता से लैस करता है।

बाहा एस.ए.ई इंडिया-2025 का वर्चुअल राउंड चितकाटा यूनिवर्सिटी विधे शुरू होइआ

चंडीगढ़ 29 नवंबर (नसबीर सिंघ सैधी)

सिंगल-सीटर आल-टैरन वाहन (ए.टी.वी.) नू डिजाइन करन अउ प्माटिउ करन लਈ ईक इंजीनीअरिंग मुकाबला बाहा एस.ए.ई इंडिया-2025 का वर्चुअल राउंड अज



चितकाटा यूनिवर्सिटी विधे शुरू होइआ। आपटे 18वें सीजन दी निसानदेही करदे होइे, ईस ईवेंट ने देस डर विंच 200 टीमां नू आकरसिउ कीउता है। ओस.ए.ई इंडिया दुआरा आयोजित मुकाबला, पड़ावां राहीं नवीनता नू उतसाहित करदा है जे विकरी, लागत, डिजाइन, सधिरता, अउे ईजट सिमूलेसन दी जंच करदे हन। ईस साल का इवेंट ओडवांस गतीसीलता हॉला 'उे जेर दिेदा है, जिस विंच ओच-बाहा वरगीआं सुटीआं, हाथीडरेंसन-अपारित गतीसीलता 'उे प्पिआन केंदरित करदे होइे, अउे ए- बाहा, एडवास तकनालॉजी नाल लैस डराहीवर रहित एटीवी का प्दरसन करदे होइे। लांच नू संघेपन करदिआं चितकाटा यूनिवर्सिटी दे वाईस चांसलर डा: संधीर सरमा ने डविंध दे इंजीनीअरां नू सिधलाही देउ लਈ सैसधा दी वचनबंधता नू उजागर कीउता। बाहा-ओस.ए.ई इंडिया दे चेअरमैन बलराज सुबराभनीअम ने ईस सभाराम नू नवीनता अउे उदयोग लਈ तिआर हुनर नू अंग वपाउिउ लਈ ईक पलेटफारम दीसिआ। डा. मपू चितकाटा, चितकाटा यूनिवर्सिटी दे प्-चांसलर, ने अकादमिकता अउे उदयोग नू बिउरसिग 'उे सगिजेग दे प्ढाव नू रेधांकित कीउता, जदें कि बी पी सी ओल दे ननरल मेनेजर, चारु जादव ने ईस पहिलकदमी लਈ आपटे लंघे सभें उं सभरथन दी पुसती कीउती। "डविंध लਈ बिदुिन" दी थीम दे नाल, बाहा ओस.ए.ई इंडिया -2025 ईक चुसत आटोमेटिव लैडसकेप लਈ रचनानामकता अउे सधिरता नू मिलाउिे होइे, इंजीनीअरां दी अगली पीढ़ी नू प्पूरित करना जारी रंधदा है।

बाहा एस.ए.ई इंडिया 2025 के वर्चुअल राउंड की भव्य शुरुआत

देश प्यार, चण्डीगढ़ -सिंगल सीटर एटीवी (ऑल-टरेन व्हीकल) की संकल्पना, डिजाइन, मॉडलिंग, विश्लेषण, निर्माण और उसके सत्यापन के लिए इंजीनियरिंग डिजाइन कॉम्पीटीशन बाहा एसएई इंडिया, 2025 के वर्चुअल राउंड की चितकारा यूनिवर्सिटी में शुरुआत आज 29 नवम्बर से हुई।

बाहा एसएई इंडिया कार्यक्रम ऑटोमोटिव इंजीनियर्स की पेशेवर सोसायटी एसएई इंडिया का प्रमुख फ्लैगशिप आयोजन है और हर वर्ष इसमें 5,000 से 10,000 इंजीनियरिंग छात्र सम्मिलित होते हैं। इस वर्ष 18वें सीजन में 200 प्रतिभागी टीमों भाग ले रही है। प्रतियोगिता का आयोजन तीन चरणों में किया जाएगा जिसमें प्रत्येक चरण पिछले चरण से अधिक चुनौतीपूर्ण होगा। वर्चुअल राउंड, का आयोजन चितकारा यूनिवर्सिटी में किया जा रहा है जिसमें बिक्री, लागत और डिजाइन मूल्यांकन के साथ सरस्टेनिबिलिटी इवेंट और इंजन सिमुलेशन इवेंट शामिल है। इसमें आईपीजी कारमेकर का उपयोग करते हुए वर्चुअल डायनेमिक इवेंट भी शामिल है, जो टीमों के मूल्यांकन के लिए एक व्यापक ढांचा प्रदान करते हैं।

एक स्मार्ट, सुरक्षित और अधिक सरस्टेनेबल भविष्य को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के साथ, बाहा एसएई इंडिया छात्रों को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के माध्यम से वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक कौशल और विशेषज्ञता से लैस करता है। बाहा एसएई इंडिया के पिछले सीजन 2024 में मोबिलिटी के भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने के लिए +एच-बाहा+ और +ए-बाहा+ ने नाम से दो नई कटेगरीज को इस इवेंट्स में शामिल किया गया था। एच-बाहा कटेगरी में इस बार 20 टीमों पंजीकृत हुई हैं जो हाइड्रोजन-आधारित गतिशीलता के लिए बढ़ते उत्साह को दर्शाता है जहां पर

ऑल-टरेन व्हीकल एचसीएनजी पर चलेंगी। इसी तरह, ए-बाहा जिसमें बिना ड्राइवर के ऑल-टरेन व्हीकल चलती है इसने पिछले साल पांच टीमों के साथ शुरुआत की थी इस बार 20 टीमों इस कटेगरी में शामिल हुई हैं जो ए.डी.ए.एस (एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम्स) वाले वाहनों के बढ़ते महत्व को दर्शाता है। यह उपलब्धि शिक्षा और इंडस्ट्रीज के बीच की खाई को पाटने के लिए बाहा एसएई इंडिया की भूमिका को एक गतिशील मंच के रूप में उजागर करती है।

बाहा एसएई इंडिया 2025 के वर्चुअल राउंड की शुरुआत के मौके पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए चितकारा यूनिवर्सिटी के उप कुलपति डॉ. संधीर शर्मा ने यूनिवर्सिटी की अगली पीढ़ी के इंजीनियरों को तैयार करने के मिशन के बारे में जानकारी दी।

बाहा एसएई इंडिया की आयोजन समिति के अध्यक्ष, बलराज सुब्रमण्यम ने अगली पीढ़ी के मोबिलिटी इंजीनियरों को आकार देने में बाहा एसएई इंडिया द्वारा निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा करते हुए कहा कि +बाहा एसएई इंडिया शुरुआत से ही इनोवेशन और लर्निंग के प्रकाश स्तंभ का प्रतीक रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले 18 वर्षों में, यह एक गतिशील मंच के रूप में विकसित हुआ है जो छात्रों को इंजीनियरिंग के हर पहलु में उत्कृष्टता हासिल करने की चुनौती देता है। अब चार श्रेणियों के साथ एक नई थीम +फ्यूजन फॉर फ्यूचर+ और देश भर की टीमों की असाधारण भागीदारी के कारण यह आयोजन साल दर साल आगे बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम बाहा एसएई इंडिया को एक शानदार और सफल आयोजन बनाने में सहयोग करने के लिए अपने प्रायोजकों, भागीदारों, संकाय और भाग लेने वाली टीमों के प्रति उनके अटूट समर्पण के लिए बहुत आभारी हैं। समय के साथ, बाहा एसएई इंडिया के पूर्व छात्रों ने

दुनिया भर में ऑटोमोटिव और गैर-ऑटोमोटिव दोनों उद्योगों में नेतृत्व की भूमिका में खुद को शामिल कर इस आयोजन की जबरदस्त वृद्धि और इसके प्रतिभागियों पर इसके स्थायी प्रभाव को रेखांकित किया है।

इस मौके पर चितकारा यूनिवर्सिटी की प्रो-चांसलर डॉ. मधु चितकारा, ने कहा कि +चितकारा यूनिवर्सिटी और बाहा एसएई इंडिया ने 2015 से एक गहन और फलदायी साझेदारी की जिसमें हमें पहले फिजिकल राउंड की मेजबानी और पिछले कुछ वर्षों में वर्चुअल राउंड की मेजबानी करने का सौभाग्य मिला है। यह शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटने में हमारी आपसी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। बाहा एसएई इंडिया के साथ मिलकर हम भारत के ऑटोमोटिव परिदृश्य को भविष्य को आकार देने के लिए रचनात्मकता, सरस्टेनेबिलिटी और एक्सिलेंस के साथ आगे की सोच वाली इंजीनियरिंग को आगे बढ़ रहे हैं, यह यात्रा इसमें शामिल सभी लोगों की कड़ी मेहनत, दूरदर्शिता और समर्पण का प्रमाण है। बीपीसीएल अपनी स्थापना के समय से ही बाहा एसएई इंडिया का दृढ़ समर्थक रहा है, जिसने इस आयोजन को सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भारत पेट्रोलियम की महाप्रबंधक सुश्री चारू यादव ने इस साझेदारी के बारे में बात करते हुए कहा, +बीपीसीएल वर्ष 2007 से बाहा एसएई इंडिया का समर्थन करता आया है। यह भागीदारी ए-बाहा टीमों को ईंधन प्रदान करने के साथ शुरू हुई, और इन वर्षों में, हमने अपनी भूमिका का विस्तार किया है, जिसमें ई-बाहा बगियों के लिए इलेक्ट्रिक ईंधन की आपूर्ति करना भी अब इसमें शामिल है। बीपीसीएल बाहा एसएई इंडिया के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और इंजीनियरों की अगली पीढ़ी को आकार देने के अपने मिशन का समर्थन करना जारी रखेगा। इस साझेदारी के माध्यम से, बीपीसीएल नवाचार और

उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने, छात्रों को उद्योग में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करने के लिए समर्पित है+।

बाहा एसएई इंडिया के एक प्रतिभागी रह चुके और अब वर्चुअल राउंड के संयोजक, श्री ऋतुराज पाटिल ने सर्वांगीण इंजीनियरों को आकार देने में वर्चुअल इवेंट्स के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, +लागत, डिजाइन, बिक्री मूल्यांकन, स्थिरता कार्यक्रम और इंजन सिमुलेशन इवेंट जैसे कार्यक्रम भाग लेने वाली टीमों के तकनीकी और परिचालन कौशल दोनों को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये चुनौतियाँ इंजीनियरिंग से परे हैं, छात्रों को वाहन डिजाइन के व्यवसाय और स्थिरता पहलुओं का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करती हैं, जो उन्हें उद्योग में विविध भूमिकाओं के लिए तैयार करती हैं। +

बाहा एसएई इंडिया 2025 का तीसरा चरण प्रतियोगिता को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार है, जिसमें तीन अलग-अलग स्थानों पर कार्यक्रम निर्धारित किए गए हैं। श्रृंखला की शुरुआत करते हुए, एम् बाहा और एच् बाहा 9 से 12 जनवरी 2025 तक नाट्रेक्स पीथम्पुर, इंदौर में प्रतियोगी अपनी क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। इसके बाद 20 से 23 फरवरी 2025 तक, स्पोर्ट्सलाइट हैदराबाद के बी वि राजू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी पर स्थानांतरित हो जाएगी, जोकि ई-बाहा केंद्र में होगा। भव्य समापन संभवतः 2025 के मध्य में पुणे के पास ऐ.आर.ऐ.आई की तकवे सुविधा में होने की उम्मीद है, जहाँ ए-बाहा प्रतियोगिता को अपने चरम पर ले जाने के लिए तैयार है। रणनीतिक रूप से चुने गए ये स्थान तकनीकी उत्कृष्टता और उत्साही प्रतिस्पर्धा का वादा करते हैं, जो गतिशीलता के भविष्य को आकार देने में इस आयोजन के महत्व को और रेखांकित करता है।